शिखर 2

पाठ 8. अगर पेड़ भी चलते होते

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता कवि की कल्पना प्रकट कर रही है। इस कविता का उद्देश्य कवि की कल्पना के माध्यम से बच्चों के मन के भावों को प्रकट करना है। साथ ही, प्रकृति के समीप ले जाने का प्रयास किया गया है।

कविता का सारांश

इस कविता में कवि बच्चा बनकर कल्पना कर रहे हैं कि यदि पेड़ चलने लग जाएँ तो कितना अच्छा हो। बच्चे पेड़ों के तने में रस्सी बाँधकर उन्हें अपने साथ जहाँ चाहे वहाँ ले जाएँ। जब धूप परेशान करे तो उनकी छाया में बैठकर थोड़ी देर सुस्ताएँ। जब कभी वर्षा हो तब उनके नीचे छिप जाएँ। जब कभी भूख लगे तब उनके मीठे फल खाकर अपनी भूख मिटाएँ तथा जब कभी बाढ़ आ जाए तो पेड़ों के ऊपर चढ़कर बैठ जाएँ।

अध्यापन संकेत

कविता का उचित हाव-भाव के साथ वाचन करें। बच्चों से भी कविता का मौन वाचन करवाएँ। बच्चों से पेड़ से संबंधित चर्चा करें। उनसे पूछें यदि सचमुच पेड़ चलने लग जाएँ तो वे पेड़ के साथ क्या-क्या करेंगे। क्या वे पेड़ के साथ खेलेंगे या फिर बाग के सबसे अच्छे और फलदार पेड़ को अपने घर ले जाएँगे।

- ❖ बच्चों को पेड़ के बारे में बहुत-सी महत्त्वपूर्ण बातें भी बताएँ, जैसे-पेड़ हमें साँस लेने के लिए शुद्ध हवा प्रदान करते हैं। उनसे हमें छाया, फल, लकड़ी, दवाइयाँ आदि न जाने कितनी ही चीज़ें मिलती हैं।
- ❖ बच्चों से उनकी कल्पनाओं के बारे में भी जानें। इससे बच्चों में अपने विचारों को प्रकट करने संबंधी झिझक समाप्त होगी।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।

पेड़ बचाओ (केवल पढ़ने के लिए)

डिजिटल (Digital) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।